जिसके अन्दर विनम्रता आ गई है,। ऐसा शिष्य अधिक पा लेता है। जो ऐंठा रहता है वह खाली तो नहीं रहता, लेकिन कम से कम पा पाता है। आप कहीं भी छुप जाओ, सूर्य के प्रकाश से आप बच तो नहीं सकोगे। उसका स्वभाव है प्रकाश देना, उसका स्वभाव है तेज देना। आप अंधेरी से अंधेरी कोठरी में भी जा कर छुप जाओ, कहीं न कहीं सूर्य की किरण आपको दिखाई दे जाएगी। अतः गुरु विष्णु ।

'गुरुर्देवो महेश्वरः !' संत तुकाराम कहते हैं गुरु पाप से हमें बचाता भी है, पाप करने से रोकता भी है। पापी मार्ग से बचाता है, हटाता है, रोकता है, इस मार्ग पर चलने नहीं देता। पुराने कर्मों को जला कर राख भी कर देता है। पुराने कर्म जल गए, नए पाप से बच गए तो गुरु देवो महेश्वरः। वह मोक्ष का दाता है, आप मानो न मानो लेकिन शास्त्र इस प्रकार कहता है कि मुक्ति का दाता गुरु है, परमात्मा नहीं।

बहुत उच्च बातें हैं ये। इन बातों पर मैं चर्चा नहीं करता। हर एक के विश्वास का यह विषय नहीं है। हर एक का अपना अपना स्तर है और उसी के अनुसार व्यक्ति का विश्वास हुआ करता है। उसकी श्रद्धा हुआ करती है। अतएव हर शिष्य का यह विषय नहीं है। बहरहाल, आज तुकाराम जी की चर्चा कर रहे हैं तो जो चर्चा उन्होंने की है, वही आपकी सेवा में रखी गई है। मैं अपनी तरफ से कुछ नहीं कह रहा। इससे अधिक भी है कहने को पर मैं कहता नहीं हूँ।

(परम पूजनीय श्री महाराज जी के प्रवचन फरवरी 2010) ■

श्रद्धा सुमन : मंगलमय निर्वाण दिवस

2 जुलाई और 29 जुलाई हमारे गुरुजनों, पूजनीय श्री महाराज जी और परम पूजनीय श्री प्रेम जी महाराज की संसार से भौतिक चोला छोड़ने की मंगलमयी पुण्य तिथियाँ हैं। पूजनीय श्री महाराज जी कहते हैं, 'महान संतों की मृत्यु भी मंगलमयी होती है।'

माँ शबरी कहती हैं कि गुरु कभी मरते नहीं, उनकी आत्मिक ज्योति व उपस्थिति सदा उनकी तपस्थली पर विद्यमान रहती है और अपने शिष्यों का पथ प्रदर्शन करती रहती है। गुरु को शरीर की सीमा में नहीं बांधा जा सकता। सद्गुरु तो जन्म जन्मान्तर तक अपने शिष्यों और शरण्यों को अपना संरक्षण प्रदान करते रहते हैं। यह हमारे तीनों गुरुजन प्रामाणिक रूप से कर रहे हैं।

सद्गुरु चन्दन सम कहा, भगवद्–प्रेम सुवास।
निशदिन दान करे उसे, जो जन आवे पास।।

(भक्ति प्रकाश, गुरु महिमा, पृष्ठ 52)

हमें केवल पास आने की जरुरत है, वे तो सदा बाँह पसारे खड़े हैं।

गुरुवर भी होते सुखदाई, बनते जो पिता और माई।

(रामायणसार, पृष्ठ 479)

गुरुदेव की सूक्ष्म अनुभूति

25 से 28 जनवरी 2013, ग्वालियर साधना सत्संग में शामिल होने की हमें अनुमति मिल चुकी थी। दुर्भाग्य से, ग्वालियर साधना सत्संग से ठीक एक सप्ताह पूर्व मेरा स्वास्थ्य खराब हो गया। मेरी पीठ में असहनीय दर्द शुरु हो गया था जो ठीक होने का नाम नहीं ले रहा था। ठंड भी काफी थी पर मन में बार–बार यही प्रार्थना कर रही थी कि हे प्रभु! साधना सत्संग में ठीक से भाग ले सकूँ।

ग्वालियर पहुँचने तक दर्द जारी था। हम रात्रि 9 बजे सत्संग भवन में पहुँचे। पीठ का दर्द असहनीय हो गया था। पति और बेटा तो पुरुष वर्ग में चले गए और मैं एक–दो महिला साधकों के साथ अपने कमरे में आ गई। रात में दर्द के कारण नींद नहीं आ रही थी। बार–बार गुरुदेव से प्रार्थना कर रही थी, क्या इस बार का सत्संग दर्द से कराहते हुए ही निकलेगा। यही प्रार्थना करते–करते रात के दो बज गए और मुझे झपकी आ गई। ऐसा महसूस हुआ जैसे कि कोई पीठ पर दवा लगा रहा है, हाथ का स्पर्श महसूस हुआ। नींद खुली तो सुबह के 4 बजे थे और एक सुखद अनुभूति यह हुई कि मैं स्वस्थ महसूस कर रही थी। निश्चित ही पूज्य गुरुदेव ने सूक्ष्म रूप से यह अनुभूति दी, जो मैं जिन्दगी भर नहीं भूल पाऊँगी। ■

जीवन परिवर्तन

एक परिवार घूमने के मकसद से, एक साधक परिवार के साथ मनाली गए थे ।

साधक परिवार ने उन्हें बताया कि वे रोज़ श्रीरामशरणम् सत्संग के लिए जाते हैं। गुरुदेव के दर्शन के लिए वे भी चल सकते हैं। वह परिवार कुछ असमंजस मे पड़ गया और फिर उन्होंने बताया कि उन लोगों ने 'अमृत छका' हुआ है। जिसे हम 'नाम दीक्षा' कहते हैं, उसे ही वे 'अमृत छकना' कहते हैं।

अगले दिन, उन्होंने श्रीरामशरणम् सत्संग में शामिल होने की इच्छा ज़ाहिर की। साधक परिवार के साथ शाम 4 से 5 बजे सत्संग के लिए श्रीरामशरणम् आ गए। जब वे सत्संग attend करके बाहर निकले, उनकी आँखों में खुशी के आँसू थे। श्री महाराज जी ने उनको एक क्षण के लिए बुला कर कुछ कहा और उसके बाद वे घूमना–फिरना भूल कर रोज सत्संग के लिए जाने लगे।

उनकी शादी को 15 वर्ष हो गए थे और उनकी कोई संतान नहीं थी। मनाली से वापस अपने घर, लुधियाना आकर उन्होंने अपना इलाज शुरु किया और 1 साल बाद उनके यहाँ बेटी हुई। उन्होंने साधक परिवार को बताया कि महाराज जी के दर्शन करके उन्हें सब कुछ मिल गया। इस घटना के बाद से वे नियमित रूप से श्रीरामशरणम् का सत्संग attend करने लगे। एक ही मुलाकात ने उनके जीवन को बदल दिया। ■

विभिन्न केन्द्रों पर सम्पन्न कार्यक्रम

अप्रैल से जून 2017

साधना सत्संग, खुले सत्संग, उद्घाटन एवं नाम दीक्षा का विवरण

- **दिल्ली**, श्रीरामशरणम् में 11 मार्च से 13 मार्च तक तीन दिवसीय होली के उपलक्ष्य में खुला सत्संग लगा।
- **झाबुआ**, मध्यप्रदेश में 27 मार्च से 5 अप्रैल तक नवरात्रों में 9 दिवसीय मौन साधना शिविर लगा। इसमें विभिन्न प्रान्तों एवं विदेश के साधक सम्मिलित हुए।
- **ईचलकरंजी, कोल्हापुर** महाराष्ट्र में 2 अप्रैल को विशेष अमृतवाणी संकीर्तन एवं प्रवचन के कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें 110 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **हरिद्वार** में 7 से 12 अप्रैल तक परम पूजनीय स्वामी सत्यानन्द जी महाराज के अवतरण दिवस के उपलक्ष्य में साधना सत्संग लगा जिसमें 12 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **ज्वाली**, हिमाचल प्रदेश में 14 अप्रैल को विशेष अमृतवाणी संकीर्तन एवं प्रवचन के कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें 921 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **अमरपाटन**, मध्यप्रदेश में 15 अप्रैल को विशेष अमृतवाणी संकीर्तन एवं प्रवचन के कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें 934 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **मंडी**, हिमाचल प्रदेश में 16 अप्रैल को एक दिवसीय खुला सत्संग लगा जिसमें 250 साधक सम्मिलित हुए और 48 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **भरेड़ी**, हिमाचल प्रदेश में 23 अप्रैल को एक दिवसीय खुला सत्संग लगा जिसमें 116 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **जंडियाला गुरु**, पंजाब में 28 अप्रैल को नवनिर्मित

श्रीरामशरणम् का विधिवत् भव्य उद्घाटन हुआ (उपर चित्र देखें) जिसमें 2500 व्यक्ति सम्मिलित हुए और 191 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।

- **काठमाण्डू**, नेपाल में 4 से 6 मई तक तीन दिवसीय खुला सत्संग लगा जिसमें 44 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **चम्बी**, (नगरी) हिमाचल प्रदेश में 14 मई को विशेष अमृतवाणी संकीर्तन एवं प्रवचन के कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें 23 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **जंडियाला गुरु**, पंजाब में 21 मई को विशेष अमृतवाणी संकीर्तन एवं प्रवचन के कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें 70 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **फरीदाबाद**, हरियाणा में 15 से 25 मई तक श्री राम नाम अखण्ड जाप का आयोजन हुआ। 25 मई को

विशेष अमृतवाणी संकीर्तन एवं प्रवचन के कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें 79 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।

- **शुक्रताल**, उत्तर प्रदेश में 28 मई को विशेष अमृतवाणी संकीर्तन एवं प्रवचन के कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें 200 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **मनाली**, हिमाचल प्रदेश में 14 से 16 जून तक तीन दिवसीय खुले सत्संग का आयोजन हुआ।
- **दिल्ली श्रीरामशरणम्** में मार्च से मई तक 134 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **किश्तवाड़**, जम्मू एवं कश्मीर जो कि जम्मू से लगभग 250 कि.मी. आगे है, में 23 जून को विशेष अमृतवाणी संकीर्तन एवं प्रवचन के कार्यक्रम का आयोजन किया गया है, जिसके पश्चात् नाम दीक्षा होगी।
- **भद्रवाह**, जम्मू एवं कश्मीर में 25 जून को विशेष अमृतवाणी संकीर्तन एवं प्रवचन के कार्यक्रम का आयोजन किया गया है, जिसके पश्चात् नाम दीक्षा होगी।
- **हरिद्वार** में 30 जून से 3 जुलाई तक पूजनीय श्री महाराज जी के निर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में तीन रात्रि साधना सत्संग लगेगा।

निर्माणाधीन श्रीरामशरणम् की प्रगति

- **औबेदुल्लागंज,** मध्यप्रदेश श्रीरामशरणम् के लिए भूमि खरीद ली गई है और 26 जून सोमवार को भूमि पूजन होना निश्चित हुआ है।
- **अमरपाटन,** मध्यप्रदेश श्रीरामशरणम् के लिए भूमि खरीद ली गई है। ■

Sadhna Satsang (July to December 2017)		
Haridwar	30 June to 3 July	Friday to Monday
Haridwar	4 to 9 July	Tuesday to Sunday
Haridwar(Ramayani)	21 to 30 September	Thursday to Saturday
Haridwar	11 to 14 November	Saturday to Tuesday
Gwalior	24 to 27 November	Friday to Monday

Open Satsang (July to December 2017)		
Delhi	27 to 29 July	Thursday to Saturday
Rohtak	12 to 13 August	Saturday to Sunday
Rattangarh	19 to 20 August	Saturday to Sunday
Rewari	2 to 3 September	Saturday to Sunday
Gurdaspur	15 to 17 September	Friday to Sunday
Sydney	30 September to 1 October	Saturday to Sunday
Jammu	13 to 15 October	Friday to Sunday
Amritsar	22 October	Sunday
Hisar	28 to 29 October	Saturday to Sunday
Pathankot	4 to 5 November	Saturday to Sunday
Fazalpur, Kapurthala	18 to 19 November	Saturday to Sunday
Bhiwani	9 to 10 December	Saturday to Sunday
Surat	16 to 17 December	Saturday to Sunday
Sujanpur	23 to 24 December	Saturday to Sunday

Naam Deeksha in Other Centres (July to December 2017)		
19 August	Saturday	Rattangarh
27 August	Sunday	Auckland (New Zealand)
3 September	Sunday	Rewari
17 September	Sunday	Gurdaspur
1 October	Sunday	Sydney (Australia)
3 October	Tuesday	Ba (Fiji)
4 October	Wednesday	Nadi (Fiji)
5 October	Thursday	Jabalpur (MP)
8 October	Sunday	Suva (Fiji)
15 October	Sunday	Jammu
20 October	Friday	Labasa (Fiji)
22 October	Sunday	Amritsar
29 October	Sunday	Hisar
5 November	Sunday	Pathankot
19 November	Sunday	Fazalpur, Kapurthala
24, 26 & 27 November	Fri, Sun & Mon	Gwalior
3 December	Sunday	Ujjain
10 December	Sunday	Bhiwani
17 December	Sunday	Surat
24 December	Sunday	Sujanpur

Naam Deeksha in Shree Ram Sharnam, Delhi (July to December 2017)		
9 July	Sunday	4:00 PM
6 August	Sunday	10.30 AM
10 September	Sunday	10.30 AM
8 October	Sunday	10.30 AM
3 December	Sunday	11:00 AM

Purnima (July to December 2017)	
9 July	Sunday
7 August	Monday
6 September	Wednesday
5 October	Thursday
4 November	Saturday
3 December	Sunday

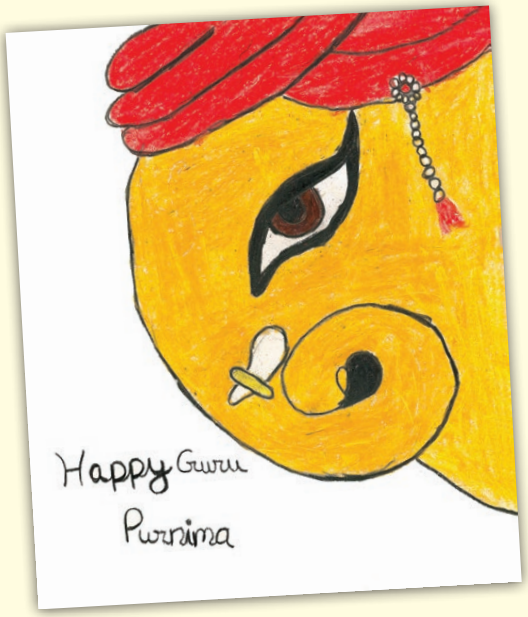

ध्यान मूलं गुरु मूर्ति,
पूजा मूलं गुरु पदम्।
मंत्र मूलं गुरु वाक्यं
मोक्ष मूलं गुरु कृपा।।

MATCH THE COMBINATIONS OF GURUS AND THEIR SHISHYA

1. Ram Ji
2. Parshuram Ji
3. Param Pujyaniya Prem Ji Maharaj
4. Vashisht Ji
5. Surya Dev
6. Swami Ramkrishna Paramhans
7. Param Pujyaniya Swami Satyanand Ji Maharaj
8. Dronacharya
9. Sukracharya
10. Sandipani

1. Ram Ji
2. Hanuman Ji
3. Param Pujyaniya Swami Satyanand Ji Maharaj
4. Krishna Ji
5. Swami Vivekanand
6. Arjun
7. Ravan
8. Param Pujyaniya Prem Ji Maharaj
9. Param Pujyaniya Vishwamitter Ji Maharaj
10. Karna

Answers: 1-2, 2-10, 3-9, 4-1, 5-2, 6-5, 7-8, 8-6, 9-7, 10-4

यदि आप 'सत्य साहित्य' की इस प्रति को नहीं रखना चाहते,
तो कृपया इसे अपने स्थानीय केन्द्र या निकटतम श्रीरामशरणम् को लौटा दें।

प्रकाशक मुद्रक श्री अनिल दीवान द्वारा श्री स्वामी सत्यानन्द धर्मार्थ ट्रस्ट, 8 ए रिंग रोड, लाजपत नगर–IV नई दिल्ली. 110024 से प्रकाशित
एवं रेव स्कैनस प्राइवेट लिमिटेड, ए–27, नारायणा औद्योगिक ऐरिया, फेज़ 2, नई दिल्ली 110028 से मुद्रित, संपादकः मेधा मलिक कुदेसिया एवम् मालविका राय

Publisher and printer Shri Anil Dewan for Shree Swami Satyanand Dharmarth Trust, 8-A Ring Road, Lajpat Nagar IV, New Delhi 110024 and
printed at Rave Scans Private Limited, A-27, Naraina Industrial Area, Phase 2, New Delhi 110028. Editors: Medha Malik Kudaisya and Malvika Rai.

©श्री स्वामी सत्यानन्द धर्मार्थ ट्रस्ट, नई दिल्ली
ईमेल: shreeramsharnam@hotmail.com
वेबसाईट: www.shreeramsharnam.org

RNI No. "Applied for".